जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 150 प्रभात अजमेर, रविवार 29 दिसम्बर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

‘डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन-काल में कांग्रेस व गांधी परिवार ने उनकी अवहेलना की व सम्मान नहीं दिया’

सुधांशु त्रिवेदी ने, भाजपा कार्यालय में प्रैस कॉन्फ्रैंस आयोजित कर, कांग्रेस पर दिखावा करने व घड़ियाली आँसू बहाने का आरोप लगाया

- दूसरी ओर कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह के दाह संस्कार के आयोजन पर सरकार की भारी कमियां-खामिया गिनाईं।
- कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के अनुसार, ''दाह संस्कार के समय डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार के लिये तीन कुर्सियाँ ही लगाई गयीं तथा कांग्रेस को डॉ. सिंह की बेटियों व परिवार के अन्य सदस्यों को बैठने की जगह दिलाने के लिये संघर्ष करना पड़ा।''
- ''प्र.मंत्री व अन्य मंत्रीगण उस समय भी खड़े नहीं हुए, जब स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया गया और 21 तोपों की सलामी दी गई।''
- ''अमित शाह के मोटर-कारों के काफिले के कारण डॉ. सिंह का परिवार बाहर ही रह गया था तथा उन्हें ढूंढ ढांढ कर अंदर भेजा गया।''
- ''दूर-दर्शन के अलावा किसी अन्य टी.वी. चैनल को कवरेज की अनुमति नहीं दी गई थी तथा सभी चैनल्स को ''फीड'' दूरदर्शन से ही लेनी पड़ी तथा दूरदर्शन का फोकस मोदी व शाह पर ही था सारे समय।''
- कांग्रेस व भाजपा की डॉ. सिंह के दाह संस्कार पर हुई तू-तू, मैं-मैं की यह लड़ाई अभी कुछ दिन और चलेगी।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। डॉ. मनमोहन सिंह का दाह संस्कार पूरे सैन्य सम्मान से किया गया तथा उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई, वहीं कांग्रेस और भाजपा- दोनों ने ही एक दूसरे पर कटाक्ष किये, जिससे देश का राजनैतिक वातावरण दूषित हो गया। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा पार्टी कार्यालय पर एक प्रैस कॉन्फ्रैंस आयोजित की, जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुये कहा कि कांग्रेस पाखंडी है तथा डॉ. सिंह के लिये घड़ियाली आँसू बहा रही है।

उन्होंने कहा कि उनके जीवन-काल में तो कांग्रेस तथा गांधी परिवार ने उनकी उपेक्षा की, उनका अपमान किया और अब उनकी मृत्यु हो जाने पर, वे उनकी विरासत के सम्मान की बातें कर रहे हैं तथा इससे फायदा लेना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस घड़ियाली आँसू बहा रही है।

इस प्रैस कॉन्फैंस का पार्टी मुख्यालय में होना, इस बात को साफ तौर पर दर्शाता है कि सुधांशु त्रिवेदी को पार्टी नेतृत्व तथा उन्हीं नरेन्द्र मोदी का आशीर्वाद प्राप्त था, जिनके रिकॉर्डेड बयान, जिनमें डॉ. मनमोहन सिंह की प्रशंसा के पुल बाँधे गये थे, सभी टी.वी. चैनलों को वितरित किये गये थे। कल भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह डॉ. सिंह के स्मारक को लेकर गंदी राजनीति कर रही है।

कांग्रेस ने उन तौर-तरीकों की भी कड़ी आलोचना की, जो डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के प्रबंध के बारे में सरकार ने अपनाये।

कांग्रेस प्रवक्ता तथा मीडिया चेयरमैन, पवन खेड़ा ने अपने लम्बे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ग्राम विकास अधिकारी से रिकवरी पर अंतरिम रोक

जयपुर, 28 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटपूतली की ग्राम पंचायत पाथरेडी के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी से रिकवरी करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में एसीएस ग्रामीण व पंचायत राज विभाग, जिला कलेक्टर जयपुर और सीईओ जिला परिषद जयपुर सहित अन्य से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने ये आदेश सुरेश मीणा की याचिका पर दिए।

- याचिकाकर्ता ने कहा कि उक्त कार्य की प्रशासनिक, तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति में उसकी कोई भूमिका नहीं है।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप ने बताया कि ग्राम पंचायत के तत्कालीन उप सरपंच ने तत्कालीन सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी सहित, पंचायत समिति पावटा के तत्कालीन सहायक अभियंता के खिलाफ साल 2016-17 में किए गए निर्माण कार्यों में अनियमितता व निजी खातेदारी में निर्माण की शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर लोकायुक्त के निर्देश पर पंचायत समिति पावटा के स्तर पर तीन सदस्यीय कमेटी ने जांच की। वहीं, इसमें याचिकाकर्ता को सुनवाई का मौका दिए बिना ही उससे 11,10,157 रुपए की रिकवरी निकाल दी। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि शिकायतकर्ता खुद भी बतौर उपसरपंच मीटिंग में मौजूद था। तब ही निजी भूमि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने कांग्रेस के आग्रह को स्वीकार किया, पूर्व प्र.मंत्री सिंह के स्मारक के लिए जगह देने का निर्णय लिया

सरकार का कहना है कि स्मारक बनाने के लिये ट्रस्ट का गठन, स्थान का चयन आदि कई औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी, अतः दाह संस्कार निगम बोध घाट पर करने का निर्णय लिया गया है

- 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने निर्णय लिया था तथा हर दिवंगत प्र.मंत्री के लिये स्मारक बनाने की प्रथा खत्म की थी तथा राजघाट पर एक राष्ट्रीय स्मृति स्थल बनाने का निर्णय लिया था।
- कांग्रेस के अलावा शिरोमणि अकाली दल, समाजवादी पार्टी व आप ने भी सरकार की आलोचना की, डॉ. मनमोहन सिंह के दाह संस्कार के लिये ऐसा स्थान न चुनने के लिये, जहाँ उनके स्मारक का भी निर्माण हो सकता था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। मोदी सरकार ने शुक्रवार रात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की डा. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की प्रार्थना पर उन्हें बताया कि स्मारक के लिए जमीन दी जाएगी हालांकि वह यह प्रथा 2013 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यू.पी.ए. सरकार के कार्यकाल में खत्म हो गई थी।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि दिल्ली में सिंह का स्मारक बनाने की प्रार्थना पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया। इसके कुछ देर बाद ही सरकार ने यह घोषणा कर दी।

कैबिनेट मीटिंग के तुरंत बाद गृहमंत्री अमित शाह ने खड़गे और डॉ. सिंह के परिवार को बताया कि सरकार स्मारक के लिए जमीन देगी।

गृह मंत्रालय ने देर रात बयान जारी कर कहा कि अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर होगा अन्य औपचारिकताएं भी होनी है, क्योंकि एक ट्रस्ट बनाया जाएगा और जमीन दी जाएगी।

वर्ष 2013 में यू.पी.ए. सरकार ने पृथक स्मारक बनाने की प्रथा खत्म कर राजघाट में राष्ट्रीय स्मृति स्थल चिन्हित किया था।

प्रधानमंत्री को लिखा पत्र कांग्रेस ने प्रैस को जारी किया जिसमें खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोन पर हुई वार्ता का उल्लेख था। खड़गे ने मोदी से आग्रह किया था कि मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार वहीं हो जहां उनका स्मारक बन सके। भारत के इस महान पुत्र की स्मृति में यह स्थान बेहद पवित्र होगा। शुक्रवार देर शाम कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार ने उनकी प्रार्थना नहीं मानी और लिया कि अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया जाएगा।

कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि, ''हमारे देश के लोग यह नहीं समझ पा रहे हैं कि डॉ.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ पूर्व प्र.मंत्री डॉ. सिंह का अंतिम संस्कार हुआ

निगम बोध घाट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्र.मंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डॉ. सिंह को श्रृद्धांजलि दी

- भूटान नरेश, मॉरिशस के विदेश मंत्री और समूचा गांधी परिवार भी डॉ. सिंह को अंतिम विदा देने निगम बोध घाट श्मशान पहुंचा था।
- डॉ. सिंह की शवयात्रा ए.आई.सी.सी. मुख्यालय से प्रारंभ होकर निगम बोध घाट पहुंची थी।
- सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका ने डॉ. सिंह के परिवार के साथ ए.आई.सी.सी. मुख्यालय जाकर डॉ. सिंह को श्रृद्धांजलि दी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, जिनका गुरुवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया, का शनिवार को पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गांधी परिवार, भूटान के राजा तथा मॉरिशस के विदेश मंत्री ने डॉ. सिंह को श्रृद्धांजलि दी।

डॉ. सिंह की पार्थिव देह लेकर शवयात्रा करीब 11:30 बजे श्मशान पर पहुँची। इसके पहले, डॉ. सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार को सुबह ए.आई.सी.सी. मुख्यालय से शुरु हुई। रवाना होने से पूर्व, कांग्रेस नेताओं ने डॉ. सिंह को अंतिम श्रृद्धांजलि अर्पित की। पूर्व प्रधानमंत्री की पार्थव देह लेकर फूलों से सजा वाहन जब कांग्रेस मुख्यालय से निकला तो ''मनमोहन सिंह अमर रहें'' के नारों से वातावरण गुंजायमान हो गया। श्रृद्धांजलि देने के लिए, सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा डॉ. सिंह के परिवार के साथ थे।

बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, नेता व सिंह के प्रशंसक शवयात्रा के साथ थे और नारे लगा रहे थे, ''जब तक सूरज चाँद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शवयात्रा में डॉ. परिवार के साथ थे।

डॉ. सिंह की पार्थिव देह को दर्शन के लिए करीब एक घंटे कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया, जहाँ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निगम बोध घाट पर मोदी के खिलाफ नारे लगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद अंत्येष्टि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने वहाँ पहुँचे प्रधानमंत्री मोदी तथा सरकार के अन्य नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की।

- आम लोगों ने कहा, सरकार ने अंतिम संस्कार स्थल पर स्मारक बनाने का झूठा वादा किया है, निगम बोध घाट पर स्मारक बनाने की जगह ही नहीं है।

इन लोगों ने अंत्येष्टि स्थल पर डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की अनुमति नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की।

इन लोगों का कहना था कि सार्वजनिक अंत्येष्टि स्थल, निगम बोध घाट पर स्मारक के लिए कोई जगह नहीं है और वैसे भी स्मारक बनाने का सरकार का आश्वासन शायद क्रियान्वित ही ना हो।

‘सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह का तिरस्कार किया है’

राहुल गांधी ने एक्स पर हिन्दी में लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह देश का सम्मान व समाधि स्थल पाने के हकदार थे

- राहुल गांधी ने यह भी लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक दशक तक भारत के प्रधानमंत्री रहे तथा उनके प्रधानमंत्रित्व काल में भारत एक ''इकोनॉमिक सुपर पावर'' के रूप उभरा विश्व में।
- ''अब तक सभी दिवंगत पूर्व प्र.मंत्रियों का जहाँ अंतिम संस्कार किया जाता है, वहाँ उनकी स्मृति में एक समाधि स्थल का निर्माण किया जाता है, जिससे आम नागरिक भी उनको सुविधाजनक तरीके से श्रद्धासुमन अर्पित कर सके।''
- ''इसीलिए कांग्रेस ने यह मांग की थी कि उनका अंतिम संस्कार उसी स्थान पर हो, जहाँ समाधि स्थल का निर्माण होगा।''
- अतः जनता नहीं समझ पा रही कि सरकार ऐसा स्थान क्यों चिन्हित नहीं कर पायी, जहाँ उनका दाह संस्कार हो जाता व कालान्तर में स्मारक भी बन जाता, जो उनके अन्तर्राष्ट्रीय स्तर एवं प्रतिष्ठा के अनुरूप होता।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट श्मशान में करके उनका अपमान किया है। उन्होंने कहा कि उनका अंतिम संस्कार उनके स्मारक के लिये निर्दिष्ट स्थान पर नहीं किया गया। राहुल ने कहा कि सिंह ''देश के सर्वोच्च सम्मान'' एवं स्मारक के हकदार हैं।

उन्होंने ''एक्स'' पर हिन्दी में लिखा, ''वर्तमान सरकार ने आज भारत माता के महान सपूत तथा सिख समुदाय के प्रथम प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर सम्पन्न करके उनका अपमान किया है।

राहुल गांधी ने कहा कि मनमोहन सिंह एक दशक तक भारत के प्रधानमंत्री रहे तथा उनके शासनकाल में देश इकोनॉमिक सुपर पावर बन गया था।

उन्होंने कहा, ''आज तक, सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का सम्मान करते हुये, उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों पर किये गये थे, ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के उन्हें अंतिम श्रृद्धांजलि अर्पित कर सके।''

उन्होंने कहा कि सरकार को कांग्रेस के इस नेता के प्रति सम्मान दर्शाना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा, ''डॉ. मनमोहन सिंह हमारे सर्वोच्च सम्मान तथा समाधि स्थल के हकदार हैं। सरकार को देश के इस महान सपूत तथा उनके गौरवपूर्ण समुदाय के प्रति सम्मान प्रकट करना चाहिये था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजित पवार ने दिल्ली के प्रत्याशी घोषित किये

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। राजधानी दिल्ली में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करना शुरू कर दिया है। इस बीच, अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने भी दिल्ली विधानसभा

- उन्होंने 11 उम्मीदवार के नाम तय किये।

चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। एनसीपी ने शनिवार को अपने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में कुल 11 उम्मीदवारों के नाम हैं।

पार्टी ने बादली से मुलायम सिंह को दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेन्द्र यादव के खिलाफ टिकट दिया है। इसके अलावा, बुराड़ी से रतन त्यागी, चांदनी चौक से खालिद उर रहमान, बल्ली मारन से मोहम्मद हारुन और ओखला से इमरान सैफी को मैदान में उतारा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दक्षिण तिब्बत पर प्रस्तावित चीन का ''मैगा हाइड्रो पावर प्रोजैक्ट'' पर्यावरणीय विस्फोट व राजनीतिक स्पर्धा का पिटारा खोलेगा

जवाबी कार्यवाही में भारत ने इस यारलुंग सांगपो नदी, जो भारत में प्रवेश होने पर ब्रह्मपुत्र कहलाती है, पर अरूणाचल में 12 बड़े बांध बनाने की योजना बनाई है। इन बांधों पर एक अरब डॉलर की लागत आयेगी

- शंघाई के रिवर प्रोजैक्ट विशेषज्ञ नी लिज़िआंग व अमेरिका की यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ पीस, का मानना है कि दोनों देशों, चीन व भारत के बीच सीमान्त पर नदियों पर बांध बनाकर शक्ति परीक्षण हो जाता है। अतः इन नये बांधों के निर्माण से भारत-चीन संबंध जो ठीक होने की दिशा में बढ़ने लगे थे, अब पुनः तनावपूर्ण होने की संभावना है।
- चीन के इस मैगा प्रोजैक्ट से पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके में सैस्मिक डिस्टर्बेन्स होने की पूर्ण आशंका है, जिसमें बहुमूल्य दुर्लभ वनस्पति व जीव जंतु की प्रजातियां लुप्त होने का संकट बहुत बढ़ जाता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर विशाल हाइड्रोइलैक्ट्रिक बांध बनाने के चीन के निर्णय को लेकर भारी चिंता की लहर दौड़ गई है, क्योंकि इसके न केवल पर्यावरण पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते है, बल्कि भारत और चीन के रिश्ते और ज्यादा बिगड़ सकते है। यह बांध विश्व का सबसे बड़ा हाइड्रो इलैक्ट्रिक बांध होगा, जो कि तिब्बती पठार की हाइड्रोपावर संभावना का लाभ उठाने की चीन की योजना का प्रमख अंग है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इससे पहले से ही तनावग्रस्त क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है।

प्रस्तावित बांध से चीन के ''थ्री गोर्जेस बांध'' से तीन गुना ज्यादा बिजली बनाई जाएगी। यह बांध यारलुंग सांगपो नदी के ग्रेट बैंड पर बन रहा है, जो कि पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, साथ ही भूगर्भीय दृष्टि से भी काफी अस्थिर है। यह नदी जब भारत में प्रवेश करती है तो उसे ब्रह्मपुत्र कहते है। यहां भूकम्पीय गतिविधि बहुत ज्यादा हैं और यह क्षेत्र दुर्लभ जैवविविधता के लिए भी जाना जाता है। विशेषज्ञों को डर है कि बांध बनने से इस नाजुक इकोलॉजिकल सिस्टम को स्थायी रुप से नुकसान पहुंच सकता है, इससे भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है, भूगर्भीय अस्थिरता में भी वृद्धि हो सकती है।

सिचुआन के भूगर्भशास्त्री फैन शियाओ ने चेतावनी दी कि बांध की इंजीनियरिंग चुनौती और पर्यावरण लागतें बहुत बड़ी हो सकती हैं। उसने कहा, ''यारलुंग सांगपो ग्रैंड केन्यन की भूगर्भीय अस्थिरता पश्चिमी क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक है।'' उन्होंने कहा कि दक्षिण पश्चिम चीन में बांधों का जरुरत से ज्यादा निर्माण आर्थिक अक्षमता का कारण बन चुका है। फैन जैसे आलोचकों की दलील है कि पनबिजली को हरित ऊर्जा मानने में अक्सर इसमें छिपे पर्यावरण नुकसान की अनदेखी कर दी जाती है।

इस प्रोजैक्ट को लेकर भारत में गंभीर चिंता जताई जा रही है। इस बांध को राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय संप्रभुता के संदर्भ में देखा जा रहा है। यारलुंग सांगपो अरुणाचल प्रदेश में भी बहती है, जिसे चीन दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा मानता है। भारत की चिंता है कि बांध नदी के प्रवाह में बदलाव लाएगा और भूकम्प के दौरान भारी नुकसान हो सकता है।

पानी के पारगमन प्रबंध में विशेषज्ञता रखने वाले शोधकर्ता सायनांगशू मोदक ने कहा कि ''यह क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील है, ऐसे वे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से खतरा और बढ़ जाता है। वर्ष 2021 में एक ग्लेशियर टूटने से ग्रेट बैंड कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गया था, जिससे नदी में जलस्तर बढ़ गया था। ऐसी घटनाएं इस क्षेत्र की संवेदनशीलता और इस परियोजना के संभावित खतरे को उजागर करती हैं।''

इसके जवाब में भारत ने अरुणाचल प्रदेश में बांध निर्माण प्रक्रिया तेज कर दी है तथा 12 हाइड्रोपावर स्टेशन्स में एक अरब डॉलर के निवेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोमवार को अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ेगा भारत

नयी दिल्ली, 28 दिसंबर। भारत इस वर्षांत पर अंतरिक्ष में छोड़े गये दो उपग्रहों को परस्पर जोड़ने का प्रयोग सिद्ध करने की तैयारी में है, जिसे स्पाडेक्स यानी अंतरिक्ष में तैरते उपग्रहों या प्रणालियों को परस्पर जोड़ कर एक करने का प्रयोग कहा जाता है। सोमवार को सिद्ध किये जाने वाली भारतीय

- यह दुर्लभ उपलब्धि अभी केवल अमेरिका, रुस और चीन ने हासिल की है।

अंतरिक्ष डॉकिंग प्रणाली चंद्रयान4 मिशन, देश की अंतरिक्ष केन्द्र स्थापित करने और अंतरिक्ष में मानव भेजने जैसी योजनाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

इस जटिल तकनीकी उपलब्धि को प्रदर्शित करने के लिये ‘भारतीय डॉकिंग सिस्टम’ से लैस दो उपग्रहों को प्रक्षेपित किया जायेगा। इसमें से एक ‘चेज़र’ (पीछा करने वाला) और दूसरा जुड़ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)